महिला अध्ययन केंद्र

एकेपी डिग्री कॉलेज खुर्जा

वार्षिक आख्या: 2024-2025

महिला अध्ययन केंद्र का उद्देश्य महाविद्यालय की छात्राओं के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहयोग करना है। ताकि वे भी पुरुषो की तरह घर, परिवार, समाज और व्यावसायिक क्षेत्र में सम्मान प्राप्त कर सके। सत्र के प्रारंभ में पर्यावरणीय चेतना को लेकर महाविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांव किला मेवई में डॉ. गीता सिंह के निर्देशन में पौधारोपण किया गया। आंवला, अशोक, पापड़ी, इमली, आम, अनार आदि को गांव की विभिन्न स्थानों पर रोपित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य जी ने इस अवसर पर कहा कि एक पौधे की देखरेख के लिए मां जैसी भूमिका का निर्वहन करना पड़ता है। तभी वह एक वृक्ष का रूप धारण कर पते है। अतः पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखरेख करना भी एक बड़ी जिम्मेदारी है।

बीमा क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं:- दिनांक 18/01/2025 को बीमा क्षेत्र में रोजगार एवं चुनौतियां विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य महाविद्यालय की छात्राओं को स्वरोजगार की ओर अग्रसर करना है। वर्तमान समय में महिला सशक्तिकरण की पहली आवश्यकता उसका आर्थिक रूप से मजबूत या सक्षम होना है। क्योंकि महिलाएं सदियों से पुरुषों के संरक्षण में रही हैं अतः आर्थिक निर्णय भी वे स्वयं से नहीं ले सकती। जबकि आर्थिक आजादी स्त्री और पुरुष दोनों पर समान रूप से लागू होती है, लेकिन महिलाओं की आजादी आज भी ज्यादा मायने नहीं रखती। क्योंकि वह सदियों से पारंपरिक रूप से पूरे घरपरिवार के लिए बिना वेतन और अवकाश लिए परिश्रम करती रही है। फिर भी अपनी आवश्यकताओं हेतु उसे अन्य लोगों पर निर्भर होना पड़ता है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या जी का सदैव यह प्रयास रहा है, कि महाविद्यालय की छात्राओं को ऐसे कौशल एवं प्रशिक्षण के अवसर प्रदान किए जाएं ताकि वे आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर ना रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशेष वक्ताब्रांच मैने जरएल.आई.सी खुर्जा श्री अजीत इकबाल, प्राचार्या प्रो. डिंपल विज,ए.बी.एम.मनवीर सिंह, ए.ए.ओ. श्री राजेंद्र पाल सिंह एवं कार्यक्रम संयोजिका डॉ.गीता सिंह ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण करके किया। वक्ताओं द्वारा महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही बीमा सखी के आवेदन, परीक्षा, वेतन एवं चयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त बीमा क्षेत्र में अन्य पदों के चयन की प्रक्रिया से भी छात्राओं को लाभान्वित किया। श्री मनवीर सिंह ने कहा कि एलआईसी के बीमा का क्षेत्र बहुत विस्तृत और व्यापक है, इसलिए चुनौतियां भी काम नहीं है। लेकिन लगन और हिम्मत से इस क्षेत्र में सुनहरा भविष्य बनाया जा सकता है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य जी ने कहा की बीमा सखी वह बीमा के क्षेत्र में रोजगार मिलने से महिलाओं की वित्तीय एवं आर्थिक स्वतंत्रता को नए पंख मिलेंगे। आर्थिक स्वतंत्रता के साथ ही महिलाओं की बीमा एवं वित्तीय सेवाओं में भागीदारी सुनिश्चित होगी जिससे वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी

डॉक्टर गीता सिंह ने बताया कि महाविद्यालय सेकु. साक्षी शर्मा,कु. रूशाली, कोमल निगम, और खुशबू का बीमा सखी के रूप में चयन किया गया है।सभी छात्राएं बड़ी लगन और हिम्मत से बीमा कार्य को आगे बढ़ा रही है। इस अवसर पर महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रही।

प्रभारी

डॉ गीता सिंह
मनो. विज्ञान
विभाग

खुर्जा के एकेपी डिग्री कालेज में आयोजित कार्यशाला में मंचासीन अतिथि • सौ. कालेज

प्लेसमेंट एंड करियर सेल पर कार्यशाला का आयोजन

संवाद सहयोगी, जागरण खुर्जा: नगर के एकेपी डिग्री कालेज में शनिवार को प्लेसमेंट एंड करियर सेल के तहत एक दिवसीय कार्यशाला हुई। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि एलआइसी के सीनियर ब्रांच मैनेजर आजीम इकबाल, एलआइसी के एबीएम मनवीर सिंह, एओ राजीव पाल सिंह तथा कालेज की प्राचार्य प्रो. डिंपल विज ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम संयोजिका डा. गीता सिंह ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को बीमा क्षेत्र में कैरियर की संभावनाओं से अवगत कराना है। मुख्य वक्ता अजिम इकबाल ने एलआइसी की महत्वपूर्ण योजना बीमा सखी के बारे में विस्तार से छात्राओं को बताया। उन्होंने कहा कि बीमा सखी योजना के तहत 18 से 70 साल की 25000 महिलाओं को बीमा सखी के रूप में चुना जाएगा। बीमा सखी योजना में जुड़ने वाली महिलाओं को ट्रेनिंग के पहले वर्ष सात हजार रुपए, दूसरे वर्ष छह हजार रुपए तथा तीसरे वर्ष पांच हजार रुपए स्टाइपेंड के रूप में दिए जाएंगे। उन्होंने छात्राओं से कहा कि बीमा सखी महिलाओं को डेवलपमेंट ऑफिसर बनने का अवसर भी प्राप्त होगा। कालेज की प्राचार्य प्रो. डिंपल विज ने कहा कि यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्रता प्रदान करेगी, बीमा व वित्तीय सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देगी। करियर सेल की प्रभारी एकता चौहान व स्टाफ मौजूद रहा।